(143)

राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल ने किया जल चालीसा वीडियो का लोकार्पण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सिरसा

सिरसा। जल चालीसा वीडियो को लोकार्पण करते राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल।

हिसार रोड स्थित रायल हवेली में आयोजित एक कार्यक्रम में उड़ीसा के राज्यपाल प्रो. गणेशी लाल ने जल चालीसा के वीडियो का लोकार्पण किया।

जल चालीसा के रचयिता जल स्टार रमेश गोयल ने गुरजीत सिंह मान के सहयोग से जल चालीसा का वीडियो तैयार करवाया जिसमें जल संरक्षण का पूरा संदेश है। प्रसिद्ध गायक प्रियंका ने जल चालीसा गायन किया है।

■ जल संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास की प्रशंसा की

राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल ने जल चालीसा की महत्ता बताते हुए रमेश गोयल के जल संरक्षण के लिए किए जा रहे निरन्तर प्रयास की भी प्रशंसा की और भविष्य की स्थिति को देखते हुए जल बर्बाद न करने का आग्रह किया। गोयल ने राज्यपाल गणेशीलालको जल चालीसा तथा लोकार्पित वीडियो की प्रति भेंट की। उल्लेखनीय है कि मिशन भाव से कार्यरत गोयल द्वारा रचित जल चालीसा, जो जलसंरक्षण का पूर्ण संदेश है, का विमोचन अप्रैल 2012 में प्रदेश के तात्कालीन मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा किया गया था। राष्ट्रीयस्तर पर मान्यता प्राप्त कर चुकी जल चालीसा की जून 2017 तक 9 संस्करणों में 45000 प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं तथा 10वां संस्करण प्रकाशनाधीन है और 8 लाख लोगों को सोशल मिडिया के माध्यम से पहुंचाई जा चुकी है। अनेक समाचार पत्र व पत्रिकाओं ने भी जल चालीसा प्रकाशित की है।

दैनिक भास्कर 31-08-2018

प्रो. गणेशी लाल ने किया जल चालीसा के वीडियो का लोकार्पण

पल पल न्यूज: सिरसा, 30 अगस्त। रायल हवेली में आयोजित एक कार्यक्रम में उड़ीसा के राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल ने जल चालीसा के वीडियो का लोकार्पण किया। जल चालीसा के रचयिता जल स्टार रमेश गोयल ने गुरजीत सिंह मान के सहयोग से जल चालीसा का वीडियो तैयार करवाया जिसमें जल संरक्षण का पूरा सन्देश है। सुप्रसिद्ध गायक प्रियंका ने बड़ी सुरीली आवाज में जल चालीसा गायन किया है वहीं विकास वीडियो विजन ने उसे सुन्दरता प्रदान की है। राज्यपाल ने जल चालीसा की महत्ता बताते हुए रमेश गोयल के जल संरक्षण के लिए किए जा रहे निरन्तर प्रयास की भी प्रशंसा की और भविष्य की स्थिति को देखते हुए जल बर्बाद न करने का आग्रह किया। गोयल ने राज्यपाल गणेशीलाल को जल चालीसा तथा लोकार्पित वीडियो की प्रति भेंट की। उल्लेखनीय है कि मिशन भाव से कार्यरत गोयल द्वारा रचित 'जल चालीसा', जो जल संरक्षण का पूर्ण सन्देश है, का विमोचन अप्रैल 2012 में हरियाणा के तत्कालिन मुख्यमन्त्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा द्वारा किया गया था। राष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त कर चुकी जल चालीसा की जून 2017 तक 9 संस्करणों में 45000 प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं तथा 10वां संस्करण प्रकाशनाधीन है और 8 लाख लोगों को सोशल मीडिया के माध्यम से पहुंचाई जा चुकी है। अनेक समाचार पत्र व पत्रिकाओं ने भी जल चालीसा प्रकाशित की है। अन्तर्राष्ट्रीय न्यूज चैनल डीडी न्यूज ने 2015 में इस पर विशेष फीचर प्रसारित किया था। हरियाणा के लिए 'जल स्टार अवार्ड' सहित राष्ट्रीय स्तर पर अनेक संस्थाओं ने डायमंड आफ इंडिया अवार्ड, सोशल जस्टिस बैस्ट मैन अवार्ड, जेम आफ ▶शेष पेज 2 पर...

जल चालीसा
विडियो विमोचन
29-8-2018

हिसार, शुक्रवार, 6 जुलाई 2018

जागरण सिटी

दैनिक जागरण

सिरसा

समर्थन मूल्य बढ़ाना सराहनीय 14

www.jagran.com

6 जुलाई 2018

सराहनीय

सिरसा के रमेश गोयल ने जल स्टार के रूप में पूरे देश में बनाई पहचान, बिन पानी सब सून और जल चालीसा लिख कर भी किया प्रेरित

जल की जानी कीमत तो जलमित्र बनकर करने लगे जागरूक

जागरण संवाददाता, सिरसा : शहर में एक ऐसा शख्स है जो पिछले दस सालों से अधिक समय से आमजन को पानी बचाने का संदेश दे रहा है। 60 वर्ष की जिस उम्र में लोग अपने आप को रिटायर्ड घोषित कर सेवा करवाना शुरू कर देते हैं, उस उम्र में जल बचत का एक महान संदेश लेकर निकले रमेश गोयल की आज राष्ट्रीय स्तर पर पहचान बन चुकी है। बेशक वे पेशे से आयकर सलाहकार हैं परंतु वे लोगों को आय बढ़ाने के साथ-साथ पानी बचाने का भी संदेश देते हैं।

जल स्टार रमेश गोयल कहते हैं कि वे बचपन से अखबारों व पत्रिकाओं में जल के संबंध में लेख पढ़ते थे तथा उन्हें अहसास हुआ कि वाकई अगर जल न होगा तो भयावह स्थिति हो जाएगी। वह इसी विचार को अपनाते हुए आमजन को पानी बचाने का संदेश देना शुरू किया और आज वह उनके जीवन का मिशन बन चुका है, लक्ष्य बन चुका है।

पुस्तकें लिखकर किया जागरूक

रमेश गोयल द्वारा जल बचत को लेकर रचित पुस्तक बिन पानी सब सून का विमोचन 9 मई, 2010 को हरियाणा के तत्कालीन राज्यपाल जगन्नाथ पहाड़िया द्वारा किया गया, जिसकी 6000 प्रतियां प्रकाशित हुई। इसके साथ ही उन्होंने हनुमान चालीसा की तर्ज पर जल चालीसा लिखी, जिसके प्रथम संस्करण का विमोचन तत्कालीन मुख्यमंत्री भूपेन्द्र हुड्डा द्वारा 24 अप्रैल 2012 को रोहतक में किया गया। जल चालीसा अब तक नौ संस्करणों में 45 हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी हैं। इसके साथ इन्होंने साढ़े तीन लाख के करीब विज्ञप्तियां बांटकर भी जल बचत का संदेश दिया। साथ ही 1500 से अधिक बैनर, फ्लैक्स लगाकर श्री आमजन को जागरूक करने का कार्य किया। अब तक देश की 350 से अधिक शिक्षण संस्थाओं व अन्य कार्यक्रमों में विभिन्न राज्यों में जाकर लाखों विद्यार्थियों, शिक्षकों व जनता को प्रत्यक्ष रूप से तथा टीवी, दूरदर्शन, रेडियो व समाचार पत्रों के माध्यम से लाखों लोगों को जल बचत के लिए प्रेरित कर चुके हैं।

3000
से अधिक लोगों को बना चुके हैं जलमित्र

45
हजार प्रतियां प्रकाशित हो चुकी है जल चालीसा की

2018
में सारथी जल योद्धा सम्मान से हो चुके हैं सम्मानित

रमेश गोयल एडवोकेट की जल बालीसा पुस्तक।

इस तरह चला कामयाबी का दौर

अपनी इस मुहिम से दूसरों को भी जोड़ने के लिए रमेश गोयल ने जल मित्र बनाए और जल मित्र योजना आरंभ कर 3000 से अधिक जल मित्र बनाएं, जिनमें प्रशासनिक अधिकारी, शिक्षाविद, चिकित्सक व सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी शामिल हैं। जल बचत का संदेश देने पर रमेश गोयल को राज्य स्तर पर जल स्टार अवार्ड, डायमंड आफ इंडिया अवार्ड, सोशल जस्टिस बेस्ट मैन अवार्ड, जैम आफ इंडिया अवार्ड, श्री चित्रगुप्त सम्मान 2017, राष्ट्र रत्न अवार्ड-2018 तथा आउट स्टेंडिंग अवार्ड से सम्मानित किया है। भारत रत्न डा. अब्दुल कलाम राष्ट्र निर्माण अवार्ड के लिए चयनित हैं। विश्व जल दिवस 2018 पर सारथी जल योद्धा सम्मान से सम्मानित हो चुके हैं।

रमेश गोयल एडवोकेट की पुस्तक का विमोचन करते राज्यपाल जगन्नाथ पहाड़िया।

24/7/2013

विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

गरण

ी पिच से चिपके तेंदुलकर 12

योद्धाओं को सलाम

को सहेजने का बीड़ा

रगढ़

को सहेजने का जिक्र
के तेजपाल दलाल का
स्तिष्क में उभर आता
ेणत के अध्यापक हैं
हास को संभालने का
ा हुआ है।
ल्टर निवासी तेजपाल
अध्यापक हैं। उनका
हुआ जिसके पूर्वज
पहलवान न बन पाए
ंत रखने का प्रयास
का बखूबी अहसास
ुश्ती का उद्भव एवं
किताब लिख चुके
क में व्यस्त हैं।
राष्ट्र के कम से कम
ाब के जरिये पीएचडी
की लाइब्रेरी में यह
रातत्व विभाग ने भी
क कई बिंदुओं पर
ा है। 15 साल से यह
ापाल के पास कुश्ती
फोटो और इतने ही
केवल ऐतिहासिक

नामी पहलवानों के
ै। उन परिवारों को

हस्ताक्षर अभियान भी

तेजपाल कुश्ती पर हस्ताक्षर अभियान चलाए हुए है। सबसे अहम यह कि कुश्ती की मूल भावना को न बदला जाए और सरकार इसका उत्थान करें। उनका दावा है कि कुश्ती का जनक भारत ही है। महान विजेता सिकंदर भी यहां से पहलवानों के कारण ही वापस गया था। वृत की शुरुआत भी कुश्ती से ही हुई।

फोटो, दस्तावेज और कसरत के साधन सुरक्षित रखने के लिए जागरूक किया जिनमें नामी पहलवान हुए। कोई ऐसा नामी पहलवान नहीं जो उन्हें न जानता हो।

जल बचाने की धुन सवार

धर्मेंद्र यादव, सिरसा

साठ साल की उम्र में ही सही रमेश गोयल ने इसे जीवन का मिशन बना लिया। वे आपको ट्रेन में इश्तिहार बांटते दिख सकते हैं, स्कूल-कॉलेज में छात्रों को संबोधित करते हुए मिल जाएंगे। बात जल बचत की हो रही है, इसके लिए लोगों को जागरूक करने की जैसे उन पर धुन सवार हो।

आयकर मामलों के अधिवक्ता रमेश गोयल अपने जल जागरूकता मिशन के तहत घूम-घूमकर अब तक 1.20 लाख इश्तहार बांट चुके हैं। उनके इस मिशन का किस्सा भी रोचक है। वह बताते हैं, जब आठ साल का था, तब नौहरिया बाजार निवासी बुजुर्ग मानमल अग्रवाल कहा करते थे कि पानी बर्बाद न करो, पाप लगेगा। तभी से यह बात जेहन में चली आ रही थी। अंततः 2008 में जल बचत जागरूकता को मिशन के रूप में चलाने का फैसला लिया।

रविवार विशेष

मिशन के तहत 150 से ज्यादा शिक्षण संस्थानों में गोयल खुद बच्चों से रूबरू हुए और उन्हें जल बचत की अहमियत व तौर-तरीके बताए। वे लगभग 70 हजार बच्चों को प्रत्यक्ष रूप से जल बचत का संदेश दे चुके हैं। 2010 में लिखी 'बिन पानी सब सून' किताब में पानी की बचत के टिप्स का विस्तार से उल्लेख किया गया है। अगले साल 2 दिसंबर जल जागरूकता दिवस के अवसर पर जल चालीसा पुस्तक का विमोचन मुख्यमंत्री भूपेंद्र हुड्डा ने किया।

चालीसा वितरित की

गोयल बताते हैं कि किताब की छह हजार व जल चालीसा की साढ़े चार हजार प्रतियां लोगों को निशुल्क वितरित की। गोयल कहते हैं कि जल उपलब्धता में हरियाणा की स्थिति भयावह है। 119 वाटर ब्लॉक में से 40 प्रतिशत डार्क जोन में चले गए हैं। दस साल पहले 30 फीसद डार्क जोन में थे। सरकार व जनता को जागना होगा। पानी की बर्बादी पर सरकार को सख्त कदम उठाने होंगे।

रमेश गोयल ने दिया जल बचत का संदेश

सिरसा, 28 जनवरी। हरियाणा स्टेट फार्मेसी कौंसिल के तत्वावधान में फार्मासिस्टों को अपडेट करने के लिए लार्ड शिवा कॉलेज सिरसा में सेमिनार हुआ जिसमें नगर के प्रतिष्ठित समाजसेवी जल स्टार रमेश गोयल ने जनता की ओर से कैमिस्टों के सम्बन्धित व्यवहार व अपने आप बदल देने वाली दवाइयों के बारे में चर्चा की और उन्हें मरीजों व उनके अभिभावकों को सही दवा देने, उचित दाम लेने व दवा के सम्बन्ध में जानकारी देने की अपील की तथा गलत या अधूरी जानकारी के आधार पर दवा देने से होने वाली हानियों पर भी प्रकाश डाला। अन्त में राष्ट्रीय समस्या जल की कमी पर प्रकाश डालते हुए उसका महत्व, बर्बादी रोकने व भविष्य की स्थिति के बारे में समझाते हुए जल का सही प्रयोग करने की अपील की और जल विद्युत बचत अभियान की विज्ञप्तियां वितरित कीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता देशकमल बिश्नोई ने की तथा लार्ड शिवा कॉलेज के प्रधानाचार्य यशपाल सिंगला मुख्य वक्ता थे। मंच संचालन मुकेश धींगड़ा ने किया।

दैनिक पल पल 29/1/2013

जल चालीसा

पानी बचाने के लिए सिरसा निवासी रमेश गोयल लंबे समय से प्रयासरत है। लोगों को जागरूक करने के लिए वे समय-समय पर सेमिनार, गोष्ठी, परिचर्चा करते हैं तथा जल बचाव से संबंधित पंफलेट भी छपवाकर बांटते है। 2 दिसंबर 2011 को उन्होंने जल बचत अभियान को नया रूप देते हुए जल चालीसा की रचना कर डाली। जल चालिसा का विमोचन हरियाणा के मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने 24 अप्रैल 2012 को किया था। जो यहां प्रस्तुत है।-

जल मंदिर, जल देवता, जल पूजा जल ध्यान।
जीवन का पर्याय जल, सभी सुखों की खान।।
जल की महिमा क्या कहें, जाने सकल जहान।
बूंद-बूंद बहुमूल्य है, दें पूरा सम्मान।।
जय जलदेव सकल सुखदाता,
मात-पिता भ्राता सम त्राता।
सागर जल में विष्णु बिराजे,
शम्भु शीश गंगा जल साजे।
इंद्र देव है जल बरसाता,
वरुणदेव जलपति कहलाता।
रामायण की सरयू मैया,
कालिंदी का कृष्ण कन्हैया।
गंगा यमुना नाम धरे जल,
जन्म-जन्म के पाप हरे जल।
ऋषिकेश है हरिद्वार है,
जल ही काशी मोक्ष द्वार है।
राम नाम की मीठी बानी,
नदिया तट पर बैठट जानी।
माता भूमि पिता है पानी,
यही कह रही है गुरबानी।
जन-जन हेतु नीर ले आई,
नदियां तब मातर कहलाई।
सूर्य देव को अर्पण जल से,
पितरों का भी तर्पण जल से।
चाहे हवन करें या पूजा,
पानी के सम और न दूजा।
चाहे नभ हो या हो जल-थल,
जीव जंतु की जान सदा जल।
बूंद-बूंद से भरता गागर,
गागर से बन जाता सागर।
नीर क्षीर मधु खिलता तन-मन,
नीर बिना नीरस है जीवन।

दैनिक पल पल 13/2/13

रेल-हवाई जहाज में बांटा जल चालीसा

सिरसा, 6 फरवरी। भारत विकास परिषद की राष्ट्रीय कार्यकारी मंडल की वार्षिक बैठक में भाग लेने के लिए गोहाटी जाते हुए परिषद् के क्षेत्रीय मन्त्री रमेश गोयल जो केन्द्रीय भूजल बोर्ड की जिला सलाहकार समिति के सदस्य हैं, ने 30 जनवरी को किसान एक्सप्रेस व 31 जनवरी को दिल्ली-डिब्रूगढ़ राजधानी एक्सप्रेस में जल बचत विज्ञप्तियां व जल चालीसा यात्रियों को देकर जल बचत की अपील की। एक फरवरी को मेघालय की चेरापूंजी व शिलांग के कुछ लोगों के अतिरिक्त शिलांग एयरस्टेशन के कार्यालय में भी चालीसा दी जहां उन्होंने ऐयर म्यूजियम भी देखा। उन्होंने भारतवर्ष के कोने-कोने से आए परिषद् के लगभग 200 प्रतिनिधियों के अतिरिक्त असम प्रान्त की विभिन्न शाखाओं के लोगों को भी जल चालीसा व विज्ञप्तियां प्रदान की। सभा स्थल के अतिरिक्त सार्वजनिक स्थानों पर जल बचत प्रेरक बैनर लगवाए। 3 फरवरी को गोहाटी एयरपोर्ट पर हवाई उड़ान में प्रतिक्षारत लोगों के अतिरिक्त स्पाईसजैट की उड़ान 894 में भी यात्रियों को जल चालीसा प्रदान की। इस कार्य में भूना के जियालाल बांसल, जो भाविप के प्रान्तीय कोषाध्यक्ष हैं और दिल्ली से जाने व वापसी तक साथ थे, का विशेष सहयोग रहा। रेल यात्रा में सैनिक हवलदार कमान सिंह व उनके साथियों, जो देहली से अपनी छुट्टियां समाप्त कर जा रहे थे, ने गोयल के इस विशेष प्रयास की सराहना की। गोहाटी एयरपोर्ट पर दीपक जैन व हवाई जहाज में इंजीनियर दिलीप कुमार बोरजा ने न केवल गोयल के मिशन की प्रशंसा की बल्कि अपने इष्ट मित्रों के लिए चालीसा की और प्रतियां भी मांगी। 4 फरवरी को सिरसा आते हुए किसान एक्सप्रेस के एसी डिब्बे में भी यात्रियों को चालीसा व विज्ञप्तियां वितरित की। इस यात्रा में हिसार के मूल निवासी वर्तमान में हालैंड निवासी मित्री भार्गव ने विषय में उत्सुकता जताई और गोयल द्वारा किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की और हालैंड जाने के बाद जल संरक्षण के विषय में और जानकारी उपलब्ध कराने तथा उनके द्वारा दी जाने वाली जानकारी को विभिन्न देशों में पहुंचाने का विश्वास दिलाया। गोयल ने 2012 में हनुमान चालीसा की तर्ज पर जल चालीसा रचकर जल संरक्षण का सन्देश पूरे देश में दिया।

दैनिक राष्ट्रीय पल पल 7/2/13

मेरे शहर की हस्ती एडवोकेट रमेश गोयल

23/10/1948 को एक मध्यमवर्गीय परिवार में जन्में श्री रमेश गोयल ने बाल्यकाल से ही संघर्षशील जीवन व दृढ़ संकल्प के सहारे कला, वाणिज्य व विधि स्नातक शिक्षा स्वयंपाठी व पत्राचार के माध्यम से पूरी की। 35 वर्षों से आयकर सलाहकार के रूप में व्यवसायी तथा बिक्रीकर व आयकर ट्रिब्यूनल हरियाणा-पंजाब व दिगी तक अपील प्रतिनिधित्व करते है। आयकर बार एसोसिएशन के संस्थापक सचिव व कई बार सचिव व अध्यक्ष रहे हैं। बिक्रीकर बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, हरियाणा बिक्रीकर बार एसोसिएशन की संविधान समिति के चेयरमेन रहे तथा आल इंडिया फैडरेशन ऑफ टैक्स प्रैक्टीशनर्स के आजीवन सदस्य हैं। व्यवसायिक लेख राष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओं में प्रकाशित।

विद्यालय में सर्वोत्तम मॉनीटर से पुरस्कृत। श्री बाल अमर समिति पुस्कालय व वाचनायल के 1967-68 में उपप्रधान तथा 1985 से 1997 तक प्रधान, जागृति के संस्थापक उपप्रधान तथा अक्तूबर 1998 से प्रधान श्री सेवा के 1982 से 1992 तक उपप्रधान व 1993 से कार्यकारिणी सदस्य महाराजा अग्रेसन मैडिकल कालेज अग्रोहा के आजीवन सदस्य हैं व 3 वर्ष कार्यकारिणी सदस्य रहे तथा दी सिरसा सिटीजन वैलफेयर फोर्म के 1993 से 2006 तक महासचिव रहे। श्री श्याम बाल भवन ट्रस्ट सिरसा के संस्थापक सचिव व ट्रस्टी श्री श्याम परिवार ट्रस्ट व श्री बाल अमर समिति पुस्तकालय ट्रस्ट, बाबा तारा चैरिटेबल ट्रस्ट सिरसा के ट्रस्टी, अराधना गोयल स्मृति पुण्यार्थ ट्रस्ट के अध्यक्ष तथा मुरलीधर कांडा मेमोरियल ट्रस्ट के महासचिव हैं। 1968-69 में हरियाणा तरुण संघ के तत्वावधान में नेताजी सुभाषचंद्र बोस की प्रतिमा स्थापित करने वाले प्रमुख छः विद्यार्थियों में से एक गोयल अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संस्था भारत विकास परिषद के संस्थापक शाखा अध्यक्ष, प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य, तीन बार प्रांतीय उपाध्यक्ष, दो वर्ष प्रांतीय अध्यक्ष रहे व 1-4-06 से केंद्रीय टीम में क्षेत्रीय संयोजक है। हरियाणा प्रादेशिक हिन्दी साहित्य सम्मेलन के शाखा कोषाध्यक्ष, सचिव व अध्यक्ष तथा चार वर्ष प्रांतीय संयुक्त मंत्री रहे व 1983 से प्रदेश उपाध्यक्ष है। गोयल हरियाणा प्रांत में एक मात्र व्यक्ति है जो अपना पूरा व्यवसायिक कार्य राष्ट्रभाषा हिन्दी में करते हैं। हरियाणा तरुण संघ द्वारा प्रकाशित तरुण ज्योति हिन्दी साहित्य सम्मेलन की साहित्यिकी व आर.एस.डी. कालोनी की लघु साक्षात्कार पत्रिकाओं का सम्पादन व व्यवस्था की। कविता लेख व पत्र राष्ट्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित होते रहते हैं। स्थानीय, प्रांतीय व राष्ट्रीय स्तर की अनेक सामाजिक धार्मिक व व्यवसायिक संगठनों में सक्रिय सदस्य व पदाधिकारी है। बाल्यकाल से ही संघर्षशील जीवन के साथ आगे बढ़ते हुए समाज व देश के लिए कुछ विशेष करने के लिए हर समय तत्पर रहते हैं और निज पर शासन फिर अनुशासन तथा दृढ़ संकल्प, निष्ठा व लगन के साथ आगे बढ़ने का प्रयास करते रहे हैं। विद्यालय काल में पुरानी पुस्तकें खरीद बिक्री से अपना शिक्षा खर्च निकालना, बाद में प्राइवेट टाइपिस्ट के रूप में काम आरंभ करते हुए कलैंडर, नाम कलैंडर, नाम पट्टिका, लॉटरी टिकट का काम किया व साथ-साथ अध्ययन किया और आज एक सफल व्यवसायी व सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में प्रतिष्ठित है। आजकल स्कूल जाकर विद्यार्थियों को देश की प्रमुख समस्या पानी बिजली आदि के महत्व को समझाते हुए उदाहरणों सहित बर्बादी रोकने व बचत के उपाय बताते हैं और अब तक लगभग 30 विद्यालयों में कार्यक्रम कर चुके हैं तथा निरंतर प्रयास जारी है।

जनदोष सिरसा 8/3/2010

जल चालीसा देगी लोगों को जल बचाने की प्रेरणा

विकास यादव | सिरसा

हनुमान चालीसा की तर्ज पर जल्द ही बाजार में जल चालीसा आ रही है।

रमेश गोयल

जिस प्रकार हनुमान चालीसा में रामभक्त हनुमान की महिमा गाई गई उसी प्रकार जल चालीसा में जल की महिमा, महत्व आदि का बखान किया गया है। इसके अलावा इसमें जल बचाने के कई तरीके भी सुझाए गए हैं। जल संरक्षण अभियान को धार्मिक भावना से जोड़ने के लिए चालीसा शब्द का प्रयोग किया गया है।

जल चालीसा की रचना सिरसा की आरएसडी कॉलोनी निवासी एडवोकेट रमेश गोयल ने की है। इसकी प्रेरणा उन्हें करीब छह महीने पहले मिली जब एक धार्मिक कार्यक्रम में एक साधु ने परीक्षित प्रकरण सुनाया। परीक्षित की मौत का कारण पानी ही बना था। उसी समय रमेश गोयल ने जल चालीसा की रचना करने की ठान ली। बीते मंगलवार को एक ही दिन में उन्होंने 30 चौपाइयों वाली जल चालीसा की रचना कर डाली। रमेश गोयल की जल संरक्षण पर यह कोई पहली रचना नहीं है। इससे पहले भी बिन पानी सब सून नाम पुस्तक की रचना कर चुके हैं। वे 2008 से जल संरक्षण अभियान को चला रहे हैं। वे स्कूल, कॉलेज आदि शिक्षण संस्थाओं में जाकर करीब डेढ़ लाख विद्यार्थियों को जल संरक्षण के प्रति जागरूक कर चुके हैं। जल संरक्षण के प्रयासों के लिए उन्हें 15 अप्रैल 2011 को दैनिक भास्कर ने जल स्टार अवार्ड से भी सम्मानित किया था।

एडवोकेट रमेश गोयल ने बताया कि जल चालीसा को जल्द ही प्रकाशित कराया जाएगा। फिलहाल मूल रचना को सिरसा के संस्कृत व हिंदी मर्मज्ञ श्रीगोपाल शास्त्री के पास संपादन के पास भेजा हुआ है। संपादन का काम पूरा होने के बाद प्रकाशन के लिए भेजा जाएगा।

जल चालीसा में जल को जीवन का आधार बताया गया है। चालीसा में बताया कि जल के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

जल है तो कल है यह जानो,
पानी के महत्व को पहचानो।
जो जन चांद पर जाकर आए,
बिन जल चांद पर रह नहीं पाए।।

इसमें पानी न होने की भयानक स्थिति को भी चित्रित करने की कोशिश गई है।

पानी के लिए लड़ते प्रदेश,
प्रदेश ही नहीं लड़ते हैं देश।
अब भी नहीं संभले प्राणी,
होगा विश्व युद्ध का कारण पानी।।

6/12/11 भास्कर